Research Unit
Press Information Bureau
Government of India

जल जीवन मिशन: 15 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल सुनिश्चित करना

जल जीवन मिशन के तहत 78.58 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की आपूर्ति हुई

(जल शक्ति मंत्रालय)

07 अक्तूबर 2024

परिचय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण के घर तक नल से जल उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य के साथ 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन की शुरूआत के समय, केवल 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में नल से जल के कनेक्शन थे। इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2024 तक लगभग 16 करोड़ अतिरिक्त घरों को नल से जल उपलब्ध कराकर इस अंतर को समाप्त करना, मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करना और 19 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाना है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के बीच पानी की आपूर्ति के अंतर को कम करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

जल जीवन मिशन माताओं और बहनों को घर के लिए पानी लाने के लिए उनके द्वारा किए जाने वाले सदियों पुराने कठिन परिश्रम से मुक्ति दिलाने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने का एक प्रयास है। यह मिशन 'जीवन को आसान' बनाने के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक है। जल जीवन मिशन में दूषित जल का प्रबंधन, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से पुनर्भरण और पुन: उपयोग करने जैसे सतत प्रयासों को एक अनिवार्य घटको के रूप में लागू किए जाना शामिल है। यह मिशन जल के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है जिसमें व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) आदि मुख्य घटक शामिल है। जल जीवन मिशन का लक्ष्य जल को सभी के लिए प्राथमिकता बनाने के साथ एक जनांदोलन बनाना है।

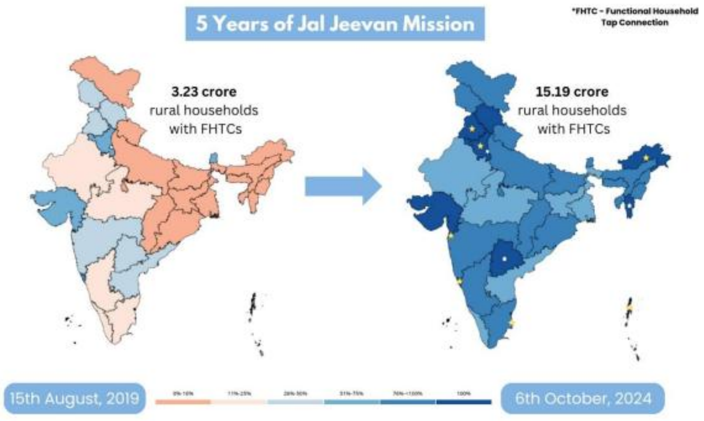
5 Years of Jal Jeevan Mission
*FHTC - Functional Household Tap Connection
3.23 crore rural households with FHTCs
15.19 crore rural households with FHTCs
15th August, 2019
0%-10%
11%-25%
26%-50%
51%-75%
76%-<100%
100%
6th October, 2024

Source: https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx

मुख्य उपलब्धियां

जल जीवन मिशन के अतर्गत 6 अक्टूबर, 2024 तक 11.95 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल से जल के लिए कनेक्शन प्रदान करने के साथ 15.19 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच की गई है, जो भारत के सभी ग्रामीण परिवारों का लगभग **78.58 प्रतिशत** है। ग्रामीण लोगों के घरों तक पीने योग्य पानी पहुंचाकर उनके जीवन को प्रभावित करना इस मिशन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उद्देश्य

जल जीवन मिशन के व्यापक उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध करवाना।
- गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों, सूखाग्रस्त क्षेत्रों, रेगिस्तानी क्षेत्रों और सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) के अधीनस्थ ग्रामों में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन के प्रावधानों को प्राथमिकता देना।
- स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों और सामुदायिक भवनों में कार्यात्मक नल कनेक्शन सुनिश्चित करना।
- नल कनेक्शन की कार्यक्षमता की निगरानी करना।
- नकद, वस्तु या श्रमदान के माध्यम से स्थानीय समुदाय के बीच स्वैच्छिक स्वामित्व को बढ़ावा देना।
- जल स्रोतों, बुनियादी ढांचे और नियमित संचालन और रखरखाव के लिए वित्तपोषण सहित जल आपूर्ति प्रणालियों के स्थायित्व सुनिश्चित करना।
- जल क्षेत्र में मानव संसाधनों को सशक्त और विकसित करना, जिसमें निर्माण, प्लंबिंग, विद्युत कार्य, जल गुणवत्ता प्रबंधन, जल उपचार, जलग्रहण संरक्षण आदि शामिल हैं।
- सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और जल को सभी की जिम्मेदारी बनाने के लिए हितधारकों को शामिल करना।

जल जीवन मिशन के घटक

जल जीवन मिशन के तहत निम्नलिखित घटकों को शामिल किया गया है:

- विभिन्न स्रोतों/कार्यक्रमों से धन जुटाने के लिए प्रयास करना।
- प्रत्येक ग्रामीण घर में नल से जल का कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए गांव में पाइप से जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे का विकास।
- नल से जल की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय पेयजल स्रोतों का विकास और संवर्धन।
- आवश्यकतानुसार बड़े पैमाने पर जल का हस्तांतरण, उपचार संयंत्र और वितरण नेटवर्क का विकास।
- जल की गुणवत्ता संबंधी समस्याओं वाले क्षेत्रों में जल से दूषित पदार्थों को हटाने के लिए तकनीक का प्रयोग।
- कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर की न्यूनतम सेवा स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए चल रही और पूरी हो चुकी योजनाओं का पुनःसंयोजन करना।

Historic Milestone!
Over 78% Rural Households have access to tap water

*As of October 6, 2024

- दूषित जल का प्रबंधन।
- सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी), मानव संसाधन विकास (एचआरडी), प्रशिक्षण, उपयोगिता विकास, जल गुणवत्ता जैसी सहायक गतिविधियों को शामिल करना।

- प्रयोगशालाएं, अनुसंधान और विकास तथा समुदायों की क्षमता निर्माण।
- फ्लेक्सी फंड पर वित्त मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं या विपत्तियों के कारण अप्रत्याशित चुनौतियों का समाधान करना।
- फ्लेक्सी फंड पर वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं या विपत्तियों के कारण उत्पन्न हुई अप्रत्याशित चुनौतियों का समाधान करना।

जल जीवन मिशन का प्रभाव

जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन से ग्रामीण जीवन में महत्वपूर्ण सुधार आया है, जिसका उल्लेख कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा किया गया है:

- ❖ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि जल जीवन मिशन के लक्ष्यों की पूर्ति से पानी एकत्र करने में विशेष तौर से महिलाओं द्वारा प्रतिदिन की जाने वाली 5.5 करोड़ घंटे से अधिक समय की मेहनत की बचत होगी।

- ❖ विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह भी अनुमान है कि भारत में सभी घरों के लिए सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सुनिश्चित करने से डायरिया रोगों से होने वाली लगभग 400,000 मौतों को रोका जा सकता है, जिससे लगभग 14 मिलियन विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) की बचत हो सकती है।

- ❖ नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर माइकल क्रेमर के शोध के अनुसार सुरक्षित जल की आपूर्ति से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे संभावित रूप से प्रतिवर्ष 136,000 लोगों के जीवन की रक्षा की जा सकती है।

- ❖ भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के साथ साझेदारी में अनुमान लगाया है कि जल जीवन मिशन अपने पूंजीगत व्यय चरण के दौरान 59.9 लाख व्यक्ति-वर्ष प्रत्यक्ष और 2.2 करोड़ व्यक्ति-वर्ष अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करेगा। इसके अतिरिक्त, संचालन और रखरखाव चरण में 13.3 लाख व्यक्ति-वर्ष प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों की संभावना हैं।

गुणवत्ता आश्वासन और निगरानी

बुनियादी ढांचे की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, जल जीवन मिशन भुगतान किए जाने से पहले तीसरे पक्ष के निरीक्षण के साथ गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सामग्री पर जोर देता है। इस मिशन में जल आपूर्ति की प्रगति को मापने के लिए सेंसर-आधारित वास्तविक समय में निगरानी के लिए किए गए समाधान, लक्षित वितरण के लिए आधार से जोड़ना और संपत्तियों की जियो-टैगिंग जैसी उन्नत तकनीकों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा, वास्तविक समय में प्रगति की जानकारी प्रदान करने के लिए 'जल जीवन मिशन डैशबोर्ड' और मोबाइल ऐप के माध्यम से पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जाती है।

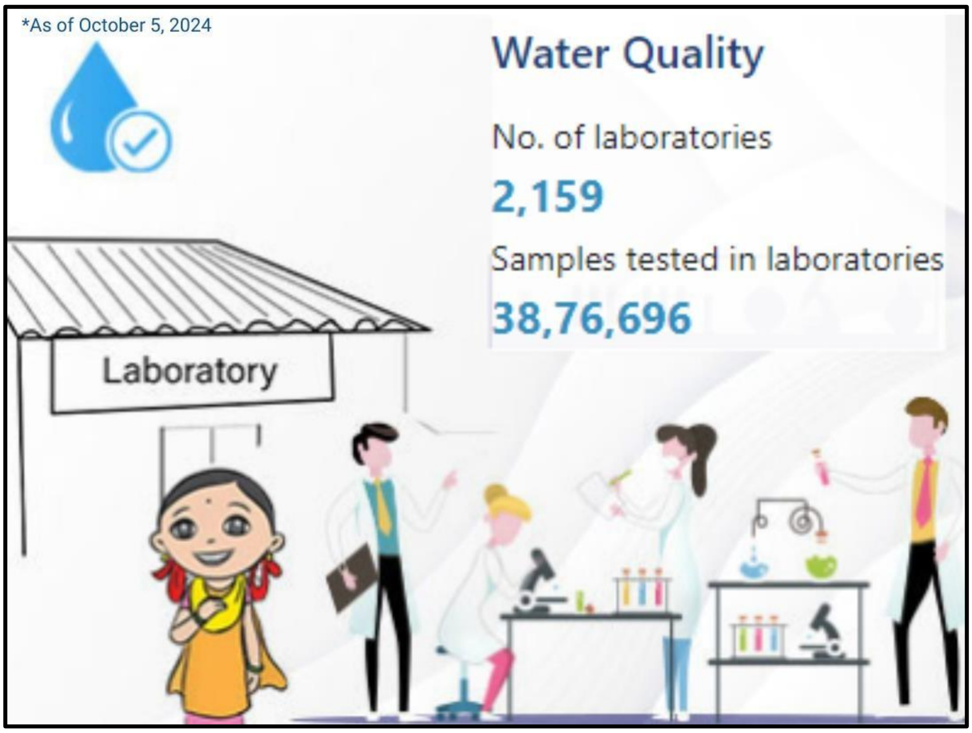
*As of October 5, 2024
Water Quality
No. of laboratories
2,159
Samples tested in laboratories
38,76,696
Laboratory

Source: https://ejalshakti.gov.in/WQMIS/

सामुदायिक भागीदारी

ग्रामीण समुदायों में स्वामित्व की भावना पैदा करने के लिए, जल जीवन मिशन जल आपूर्ति संबंधी अपने सभी निर्णयों में ग्राम-स्तरीय नियोजन और सामुदायिक भागीदारी पर जोर देता है। मिशन के तहत पहल में शामिल हैं:

- जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रबंधन के लिए कम से कम 50 प्रतिशत महिला सदस्यों और वंचित समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाली 5.32 लाख ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) या पानी समितियों का गठन।

- फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) का उपयोग करके पानी के नमूनों का परीक्षण करने के लिए प्रत्येक गांव की पांच महिलाओं को प्रशिक्षित करना। वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए 24.64 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, और 54.20 लाख से अधिक पानी के नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है।

- जल आपूर्ति प्रणालियों की योजना बनाने, उन्हें लागू करने, उनका प्रबंधन करने और उन्हें बनाए रखने में सामुदायिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यान्वयन सहायता एजेंसियों (आईएसए) के रूप में 14,000 से अधिक गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक संगठनों, महिला स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित संगठनों को शामिल करना।

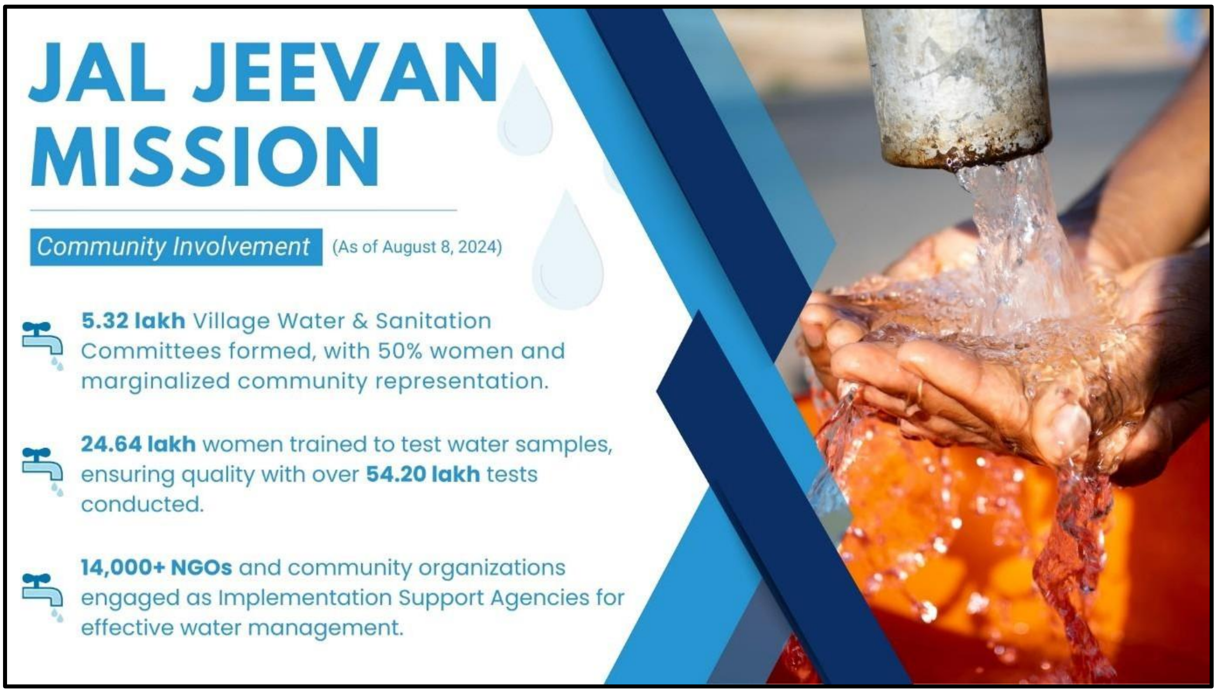

JAL JEEVAN MISSION

Community Involvement (As of August 8, 2024)

- **5.32 lakh** Village Water & Sanitation Committees formed, with 50% women and marginalized community representation.
- **24.64 lakh** women trained to test water samples, ensuring quality with over **54.20 lakh** tests conducted.
- **14,000+ NGOs** and community organizations engaged as Implementation Support Agencies for effective water management.

Source: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2042989

चुनौतियां और समाधान

जल जीवन मिशन के समक्ष कुछ क्षेत्रों में भरोसेमंद जल स्रोतों की कमी, भूमिगत जल का प्रदूषण, असमान भौगोलिक भूभाग, बिखरी हुई ग्रामीण बस्तियां, और वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने में देरी आदि कई चुनौतियां है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, भारत सरकार ने विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें वित्त मंत्रालय के माध्यम से वित्तीय सहायता, केंद्रीय मंत्रालयों के साथ तालमेल के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, राज्य और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों की स्थापना, और ग्राम स्तर पर कुशल कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 'नल जल मित्र कार्यक्रम' का कार्यान्वयन शामिल है।

जल शक्ति अभियान: कैच द रेन

स्थायी जल प्रबंधन के महत्व को समझते हुए और लोगों की भागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से 2019 में जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान ने वर्ष 2023 में, 'पेयजल के लिए स्रोत स्थिरता' पर जोर दिया, और जल संरक्षण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करने के लिए वर्ष 2024 में, इसे 'नारी शक्ति से जल शक्ति' विषय के साथ लागू किया गया।

मिशन के अंतर्गत प्रगति (6 अक्टूबर 2024 तक)

- देश में 15.19 करोड़ (78.5**8 प्रतिशत**) ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन दिया गया है।

- हर घर जल पहल की नवीनतम स्थिति से पता चलता है कि 165 जिलों ने अपनी प्रगति की रिपोर्ट दी है (यह दर्शाता है कि जल आपूर्ति विभाग द्वारा पुष्टि की गई है कि सभी घरों, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में नल **से** पानी **की** पूर्ति की जा रही है) जिनमें से 97 को प्रमाणित किया गया है (पानी की आपूर्ति की पुष्टि के बाद ग्राम सभा का प्रस्ताव पारित किया गया)। ब्लॉकों के संदर्भ में, 1,805 ने रिपोर्ट **पेश** की है और 835 को प्रमाणित किया गया है। पंचायत स्तर पर, 1,13,085 ने रिपोर्ट प्रस्तुत की है, और 73,518 ने प्रमाणन प्राप्त किया है। गांवों के **संदर्भ में**, 2,40,076 ने रिपोर्ट की है, और पहल के तहत 1,39,022 को प्रमाणित किया गया है।

- भारत सरकार जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों में पीने योग्य नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई)-एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) प्रभावित जिलों को प्राथमिकता देती है। जेई-एईएस जल गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों में 2.35 करोड़ से अधिक घरों (79.21 **प्रगति**) को नल के **द्वारा स्वच्छ** पानी की सुविधा मिल रही है।

- गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा नगर हवेली और दमन दीव, हरियाणा, तेलंगाना, पुडुचेरी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश **समेत** 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों **ने** संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में सभी ग्रामीण घरों (100 **प्रतिशत**) को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया है।

- आज तक 9,29,805 स्कूलों और 9,66,805 आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की आपूर्ति है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के तौर पर, जल जीवन मिशन ने भारत के हर ग्रामीण घर को नल के पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। 15.19 करोड़ से ज़्यादा घरों, कई स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को अब स्वच्छ पेयजल का लाभ प्राप्त हो रहा है, इस मिशन से ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। यह पहल न केवल जल आपूर्ति की कमी को दूर करती है बल्कि जल संग्रह के बोझ को कम करके और सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाकर समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाती है। सामुदायिक भागीदारी, स्थिरता और तकनीकी नवाचार पर मिशन का ज़ोर इसके दीर्घकालिक दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। अपनी प्रगति के साथ यह मिशन ग्रामीण भारत के लिए जीवन में बदलाव के साथ एक स्वस्थ और अधिक न्यायसंगत भविष्य को बढ़ावा दे रहा है।

References:

- https://pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=151017&ModuleId=3
- https://pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=150994&ModuleId=3
- https://jaljeevanmission.gov.in/
- https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2042989
- https://ejalshakti.gov.in/jjm/citizen_corner/villageinformation.aspx
- https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx
- https://pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=152025&ModuleId=3&reg=3&lang=1

***

एमजी/आरपीएम/केसी/जेके/एनजे